राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

"मध्यप्रांत एवं बरार में स्वतंत्रता आंदोलन"

(Freedom Movement in Central Provinces and Berar)

08–09 दिसम्बर, 2022

प्रायोजक

म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना

(MPHEQIP)

&

IQAC

आयोजक

इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति,

हिन्दी एवं संस्कृत विभाग

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर

रजिस्ट्रेशन लिंक

https://docs.google.com/forms/d/1Qr0m9Ly4ImOvLiForWYh3yKPkBj5HrYy0Fgk66lJYB4/edit

व्हाट्अप लिंक

https://chat.whatsapp.com/CoslvGUpCGZ5ODJKQD3YNE

डॉ. (श्रीमती) लीला भलावी
संरक्षक
अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

डॉ (श्रीमती) ममता शर्मा
प्राचार्य

डॉ. सतीश दुबे, प्राध्यापक
समन्वयक (IQAC)

डॉ. रामता प्रसाद आम्रवंशी
संयोजक
विभागाध्यक्ष, इतिहास

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

नरसिंहपुर (म.प्र.)

आयोजन समिति

- डॉ. आर.बी. सिंह, प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र)
- डॉ. कीर्तिमाला सदाफल, प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष, हिन्दी)
- डॉ. एस.के. उप्रेलिया, सह–प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष, भूगोल)
- डॉ. जी.एस. मर्सकोले, सहा.प्रा. (विभागाध्यक्ष संस्कृत)
- डॉ. राजेश कुमार ठाकुर, सहा.प्रा. इतिहास
- डॉ. शोभाराम मेहरा, सहा.प्रा. भूगोल

◈

आयोजन सचिव

- श्री अमित कुमार ताम्रकार, सहा.प्रा. इतिहास
- डॉ. मनोज विश्वकर्मा, सहा.प्रा. हिन्दी
- डॉ. राकेश पटले, अतिथि विद्वान, इतिहास
- डॉ. दिलीप ग्वालिया, अतिथि विद्वान, राजनीति शास्त्र
- डॉ. राजेश डेहरिया, अतिथि विद्वान, भूगोल
- डॉ. भावना मेहता, अतिथि विद्वान, राजनीति शास्त्र

◈

आयोजन सह-सचिव

- डॉ. (श्रीमती) नमिता साहू, सहा. प्रा., हिन्दी
- डॉ. प्रीति कौरव, सहा. प्रा., अर्थशास्त्र
- डॉ. कृष्ण कुमार नागवंशी, अतिथि विद्वान, इतिहास
- श्रीमती बबीता सोनी, अतिथि विद्वान, इतिहास

◈

मार्गदर्शक मंडल

- डॉ. अधिकेश राय, प्राध्यापक एवं फेकल्टी डीन (वाणिज्य), रा.दु.वि.वि. जबलपुर
- डॉ. श्रीमती स्वाति चांदोरकर, प्राध्यापक, अंग्रेजी
- डॉ. चन्द्रशेखर राजहंस, प्राध्यापक, अंग्रेजी
- डॉ. आलोक तिवारी, सह–प्राध्यापक, वनस्पति शास्त्र
- डॉ. मनीष अग्रवाल, सह–प्राध्यापक, वाणिज्य
- प्रो. (श्रीमती) शोभा मिश्रा, सहा.प्रा. वनस्पति शास्त्र
- प्रो. (श्रीमती) सुधा शाक्य, सहा.प्रा. मनोविज्ञान
- प्रो. एस.एल. चौधरी, सहा.प्रा. प्राणी शास्त्र
- प्रो. (श्रीमती) रीता रावत, सहा.प्रा. राजनीति शास्त्र
- डॉ. गनेश कुमार सोनी, सहा.प्रा. गणित
- प्रो. श्रीमती ज्योत्सना झारिया, सहा.प्रा. मनोविज्ञान
- डॉ. (श्रीमती) वंदना जैन, सहा.प्रा. मनोविज्ञान

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी :- 08 एवं 09 दिसम्बर, 2022

दिनांक 08.12.2022

उद्घाटन सत्र

प्रातः 10:30 बजे से
दोपहर 12:00 बजे तक

भोजन अवकाश

दोपहर 12:30 बजे

प्रथम तकनीकी सत्र

दोपहर 1:30 बजे से
दोपहर 3:00 बजे तक

द्वितीय तकनीकी सत्र

दोपहर 3:00 बजे से
सायं 4:30 बजे तक

मुख्य अतिथि - माननीय श्री जालम सिंह पटैल
पूर्व राज्यमंत्री एवं वर्तमान विधायक, विधानसभा क्षेत्र, नरसिंहपुर

विशिष्ट अतिथि –माननीय डॉ. कपिल देव मिश्र
कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

विशिष्ट अतिथि – सुश्री ऋजु बाफना, आई.ए.एस.
कलेक्टर, नरसिंहपुर

अध्यक्ष – डॉ. जगदीश सोनवने, एसोसिएट प्रोफेसर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सोनई, जिला–अहमदनगर, महाराष्ट्र

अध्यक्ष– डॉ. महेश प्रसाद अहिरवार, प्रोफेसर, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी :- 08 एवं 09 दिसम्बर, 2022

दिनांक 09.12.2022

प्रथम तकनीकी सत्र
प्रातः 10:00 बजे से
11:30 बजे तक

अध्यक्ष – डॉ. हरित मीणा, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बंठिंडा, पंजाब

द्वितीय तकनीकी सत्र
दोपहर 11:30 बजे से
1:00 बजे तक

अध्यक्ष – डॉ. एस.आर. कमलेश, प्राचार्य, प्रोफेसर भूगोल, शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

भोजन अवकाश
दोपहर 1:00 बजे

तृतीय तकनीकी सत्र
दोपहर 2:00 बजे से
3:30 बजे तक

अध्यक्ष – डॉ. रामानुज प्रताप सिंह, सहा.प्रा. इतिहास, शास. बी.एस.डी. महाविद्यालय कुनकुरी, जिला जशपुर (छत्तीसगढ़)

समापन सत्र
दोपहर 3:30 बजे से
4:00 बजे तक

अध्यक्ष – श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया
अध्यक्ष, जिला पंचायत, नरसिंहपुर।

विशिष्ट अतिथि – श्री नीरज दुबे (महाराज),
अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, नरसिंहपुर

संगोष्ठी की विषय वस्तु एवं रूपरेखा

भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुए 75 वर्ष बीत गए। इन 75 वर्षों से प्रत्येक वर्ष हम उस आजादी का जश्न स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। क्योंकि अब हम आजाद हैं किन मायनों में आजाद हैं, वर्तमान में यह शोध का विषय है। आजादी की लड़ाई में शामिल लोगों के लिए तो निश्चित तौर पर वह क्षण असली जिंदगी का रहा होगा। जिस क्षण उन्होंने अपनी जिन्दगी में आजादी का स्वाद चखा होगा, कितने सैलाब उमड़े होगें, असंख्य भावनाओं के। उन भावों को समझना भी असंभव सा होगा और व्यक्त करना भी। जब लड़खड़ाती जुबान से मुस्कराता एक शब्द निकला होगा ..... कि अब हम आजाद हैं। हाँ, वही एक पल आजादी की असली कीमत ..... अमूल्य कीमत को बयां कर पाया होगा, जिसमें छटपटाहट भरे संघर्षो के बाद स्वतंत्र सांस मिली रही होगी।

आजादी की लड़ाई में अनेकों वीर, सेनानी, विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधि के साथ जनजाति समुदाय के योद्धाओं ने अपना बलिदान दिया। जिसको देश की मिट्टी से प्यार था उसने देश के लिए आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया। वस्तुतः मात्र इन्हीं विचारों से वर्तमान दौर में सामाजिक–आर्थिक जटिल समस्याओं का समाधान हो सकता है। अतः आजादी में मध्यप्रांत और बरार क्षेत्र के सहयोगी व्यक्तियों का योगदान और भूमिका को उजागर करना नितांत आवश्यक है। क्योंकि आये दिन धार्मिक, साम्प्रदायिक, जातिगत, भाषायी, क्षेत्रियता विभिन्न प्रकार की सर्वोत्कृष्टता की लालसा कई बार राष्ट्र की एकता और अखण्डता पर आघात पहुंचाती है। इनका संकलन और प्रकाशन होने से राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता के प्रति हमारा अटूट विश्वास जागेगा।

ब्रिटिशकालीन भारतीय इतिहास में मध्यप्रांत व बरार एक प्रमुख महत्व का स्थान था। अंग्रेजों के आगमन के पूर्व यहाँ विभिन्न भौगोलिक ईकाइयाँ थी। अंग्रेजों ने इन विभिन्न भौगोलिक ईकाइयों को जोड़कर मध्यप्रांत व बरार का गठन किया गया था। प्रांत गठन के पूर्व मध्यप्रांत दो विभिन्न प्रांतों काभाग था। सागर नर्मदा के क्षेत्र उत्तर पश्चिमी प्रांत का भाग था। वहीं छत्तीसगढ व विदर्भ का क्षेत्र नागपुर के भोंसले राजाओं के आधिपत्य में था। मध्यप्रांत के गठन के लिए लार्ड कैनिंग ने उत्तर–पश्चिमी प्रांत के सागर नर्मदा क्षेत्र को 1854 ई. में मराठों से छीनकर नागपुर राज्य में मिला दिया था। दोनों क्षेत्रों का यह विलय 1861 ई. में हुआ था। विलय के पश्चात् यह क्षेत्र मध्यप्रांत व बरार के रूप में अस्तित्व में आया। अतः इस प्रांत की राष्ट्रीय आंदोलन में भूमिका के संदर्भ में हमारे महाविद्यालय द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिससे मध्य प्रांत एवं बरार की बहुमूल्य जानकारियाँ विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं समाज के लोगों तक पहुंच सके।

महाविद्यालय का परिचय –

विगत 50 वर्षो से..... सन् 1958 में जनपद भवन में इस महाविद्यालय का शुभारंभ श्री गिरिराज सिंह चौधरी की अध्यक्षता में निजी महाविद्यालय के रूप में हुआ। कला एवं वाणिज्य के सीमित विषयों के अध्यापन से आरंभ होने वाला यह महाविद्यालय 1962 में 18 एकड़ के विशाल भू–क्षेत्र के अंतर्गत निर्मित नये भवन में इतवारा बाजार के समीप स्थानांतरित हो गया। तत्पश्चात् महाविद्यालय में क्रमशः विज्ञान की कक्षाऐं एवं कला के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ हुए। 1980 में विधि संकाय प्रारंभ हुआ तथा इसी वर्ष वाणिज्य में स्नातकोत्तर कक्षाऐं भी प्रारंभ हुई। इस प्रकार आज कला, वाणिज्य एवं विज्ञान में 12 स्नातकोत्तर विषय तथा विधि स्नातक के साथ वर्ष 2006 से माईक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नॉलाजी तथा कम्प्यूटर विषय के पाठ्यक्रम प्रारंभ हुए। वर्ष 2007 में महाविद्यालय को नैक द्वारा B^+ एवं वर्ष 2016 में महाविद्यालय को नैक मूल्यांकन उपरांत A ग्रेड प्रदाय किया गया। वर्तमान सत्र 2022–23 में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या लगभग 8000 है। महाविद्यालय उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर है।

संगोष्ठी के उप-शीर्षक

- मध्यप्रांत एवं बरार के आर्थिक संरचना का स्वतंत्रता आन्दोलन पर प्रभाव।
- मध्यप्रांत एवं बरार की भौगोलिक संरचना एवं राष्ट्रीय आन्दोलन।
- मध्यप्रांत की सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाएँ (स्वतंत्रता आन्दोलन के संदर्भ में)।
- मध्यप्रांत एवं बरार के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रांत एवं बरार के जनजाति वर्ग की भूमिका।
- बुन्देला विद्रोह का स्वतंत्रता आन्दोलन में प्रतिनिधित्व।
- झण्डा सत्याग्रह का स्वधीनता आन्दोलन पर प्रभाव।
- राष्ट्रीय आन्दोलन में मध्यप्रांत एवं बरार की महिलाओं का योगदान।
- मध्यप्रांत एवं बरार का राजनीतिक परिदृश्य।
- मध्यप्रांत एवं बरार के पत्रकारों एवं साहित्यकारों का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान।
- अन्य विषय।

नरसिंहपुर पहुँच मार्ग :–

रेलमार्ग – नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन मुम्बई–हावड़ा रूट का प्रमुख स्टेशन है। इस रूट पर चलने वाली रेलगाड़ियां नरसिंहपुर को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ता है।

सड़क मार्ग – नरसिंहपुर सड़क मार्ग जहाँ से NH-26 तथा NH-12 गुजरते हैं।

वायु मार्ग – जबलपुर विमान क्षेत्र (डुमना) यहाँ का नजदीकी एयरपोर्ट है, जो नरसिंहपुर से करीब 84 कि.मी. दूर है।

विस्तृत नियम निर्देश

शोध पत्र– कृपया विषय से संबंधित किसी उप–शीषर्क पर 05 दिसम्बर 2022 तक (साफ्ट कापी में) ई–मेल his.pgcollegensp@gmail.com पर अंग्रेजी–Times New Roman font 12 अथवा हिन्दी–कृतिदेव 10फोण्ट–14 पर (अधिकतम 3000 शब्द) प्रेषित करें। उन्ही शोधपत्रों का प्रकाशन होगा जिनके साथ पंजीयन शुल्क प्रपत्र एवं शोध पत्र के मौलिकता का प्रमाण पत्र संलग्न होगा।

पंजीयन शुल्क :-

प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक – 600 रू.

अतिथि विद्वान/शोधार्थी– 400 रू.

विद्यार्थी– 300 रू.

पंजीयन शुल्क का भुगतान

खाता धारक–सचिव, जनभागीदारी समिति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर

खाता क्र. – 1558104000026433

आई.एफ.एस.सी. कोड– IBKL0001558

बैंक का नाम – आई.डी.बी.आई.

ब्रांच – नरसिंहपुर (Narsinghpur)

नोट :–

शोध पत्र प्रकाशन हेतु राशि 300 रू. अलग से देय होगी। शोध पत्र रिसर्च इण्डिया पब्लिकेशन नई–दिल्ली (यू.जी.सी. से प्रमाणित) से प्रकाशित किया जावेगा। शोध पत्र की मौलिकता हेतु प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। प्रकाशित शोध पत्र की प्रति आपको उपलब्ध कराई जावेगी।

सम्पर्क सूत्र :-

7974899929, 8251946366, 9893536203